

केरल में लेप्टोस्पायरोसिस का प्रकोप

[स्रोत: डाउन टू अर्थ](#)

चर्चा में क्यों?

हाल ही में [नपिह वायरस](#) के प्रकोप का खतरा कम हो जाने के कारण केरल को राहत मिली है, क्योंकि 42-दिवसीय अवलोकन की अवधि के दौरान कोई नया मामला सामने नहीं आया।

- हालाँकि इस राहत को [लेप्टोस्पायरोसिस](#) प्रकोप ने ग्रहण कर लिया है, जैसी 'रैट फीवर' के रूप में जाना जाता है।
- यह जीवाणु संक्रमण, विशेषकर मानसून से संबंधित चुनौतियों के मद्देनज़र एक गंभीर सार्वजनिक स्वास्थ्य चिंता के रूप में उभरा है।

लेप्टोस्पायरोसिस के संदर्भ में मुख्य तथ्य क्या हैं?

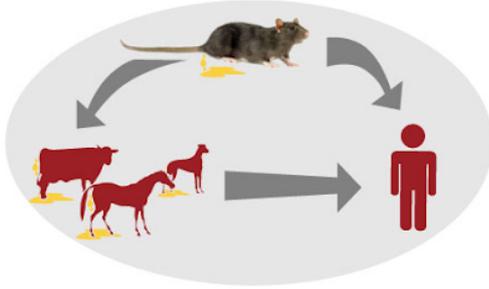
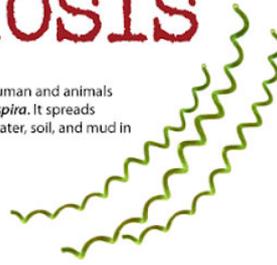
- **परिचय:** लेप्टोस्पायरोसिस [\[?\]](#) के रोगजनक स्पाइरोकेट्स के कारण होता है। ये बैक्टीरिया [जूनोटिक](#) हैं, जिसका अर्थ है कि ये जंतुओं से मनुष्यों में संचारित होते हैं।
 - **लेप्टोस्पायर** बैक्टीरिया रोगजनक हो सकते हैं। रोगजनक लेप्टोस्पायर कुछ **जीव-जंतुओं के गुरदे और जननांग पथ में पाए जाते हैं**, जो मनुष्यों में लेप्टोस्पायरोसिस का प्राथमिक कारण हैं।
- **रोगवाहक:** कई **सतनधारी प्रजातियाँ** जिनमें कृंतक, मवेशी, सूअर और कुत्ते आम हैं, के गुरदे में लेप्टोस्पायर को आश्रय प्राप्त होता है।
 - कृंतक इस रोग के संक्रमण में विशेष रूप से महत्वपूर्ण हैं क्योंकि **येबना कोई लक्षण दिखाए अपने पूरे जीवनकाल में लेप्टोस्पायर का उत्सर्जन कर सकते हैं**।
 - सभी संक्रमित जीव-जंतु इस रोग के लक्षण नहीं दिखाते हैं। प्राकृतिक तौर पर **परपोषी जीवों में रोग के बहुत कम दुष्प्रभाव दृश्य हैं**, लेकिन किसी अन्य सेरोवर (बैक्टीरिया की एक प्रजाति के भीतर एक अलग भिन्नता) के साथ संक्रमण के बाद रोग विकसित हो सकते हैं।
- **संचरण:** यह रोग मुख्य रूप से **संक्रमित पशुओं के मूत्र के सीधे संपर्क से या उनके मूत्र से दूषित जल, मट्टि या भोजन के संपर्क से फैलता है**।
 - यह घाव, श्लेष्मा झिल्ली या जलयुक्त त्वचा के माध्यम से मानव शरीर में प्रवेश कर सकता है। दुर्लभ मामलों में यह रोग एक मनुष्य से दूसरे मनुष्य में फैल सकता है।
- **लक्षण:** इसमें हल्के फ्लू जैसी बीमारी से लेकर **वील्स सडिरोम** (गुरदे और यकृत की शथिलता), **मेनिजाइटिस** और **फुफ्फुसीय रक्तस्राव** जैसी गंभीर स्थितियाँ शामिल हैं।
 - रोग का उद्भवन काल सामान्यतः 7-10 दिन का होता है, तथा बुखार, सरिदर और पीलिया जैसे लक्षण आम होते हैं।
 - लेप्टोस्पायरोसिस का **अक्सर नदिन नहीं हो पाता है, क्योंकि इसके लक्षण अन्य बीमारियों से मिलते-जुलते हैं** तथा नदिन परीक्षणों तक इसकी पहचान भी सीमित है।
- **महामारी विज्ञान (Epidemiology):** यह एक वैश्विक बीमारी है, लेकिन उच्च वर्षा वाले **उष्णकटिबंधीय और उपोष्णकटिबंधीय क्षेत्रों** में यह सबसे आम है।
 - यह रोग विशेष रूप से दक्षिण-पूर्व एशिया में प्रचलित है तथा **भारत, इंडोनेशिया, थाईलैंड और श्रीलंका** में इसके अधिकतर मामले, विशेषकर बरसात के मौसम में सामने आते हैं।
 - जनि व्यवसायों में पशुओं के साथ अक्सर संपर्क रहता है, जैसे कृषि, पशुचिकित्सक और सीवर कर्मचारी, उनमें जोखिम अधिक होता है।
- **रोकथाम:** **रोकथाम में पशु जलाशयों को नियंत्रित करना**, दूषित पानी या मट्टि के संपर्क से बचना, सुरक्षात्मक कपड़े पहनना और अच्छी स्वच्छता विधियों को बनाए रखना शामिल है।
 - **टीकाकरण बीमारी को रोकने में मदद करता है, लेकिन गुरदे की बीमारी को खत्म नहीं कर सकता है**। कुत्तों, सूअरों और मवेशियों को विशेष टीके लगाए जा सकते हैं।
- **उपचार:** इसका उपचार एंटीबायोटिक दवाओं जैसे पेनिसिलिन G, डॉक्सीसाइक्लिन और सेफ्ट्रायिक्सोन से किया जाता है।



LEPTOSPIROSIS

What is leptospirosis?

Leptospirosis is a possibly fatal bacterial disease that affects human and animals alike. It is caused by spiral shaped bacteria of the genus *Leptospira*. It spreads through the urine of infected animals. It is prevalent in fresh water, soil, and mud in tropical areas.



How do humans get infected?

1. contact with urine (or other body fluids, except saliva) from infected animals
2. contact with water, soil, or food contaminated with urine of infected animals

How does it spread?

Rats and other rodents are the most common carriers of the bacteria but it can infect all kinds of wild and domestic animals including humans. The urine of these animals can contaminate soil and mud and can be spread rapidly to human populations through fresh water or flooding.

How do I prevent leptospirosis?



1. Do not swim or wade in water that might be contaminated with animal urine.



2. Do not come into contact with potentially-infected animals.



3. Wear protective clothes and equipment



4. Disinfect contaminated surfaces



5. Take the antibiotic prophylaxis (for exposed persons in high risk areas)

What are the possible complications of leptospirosis?

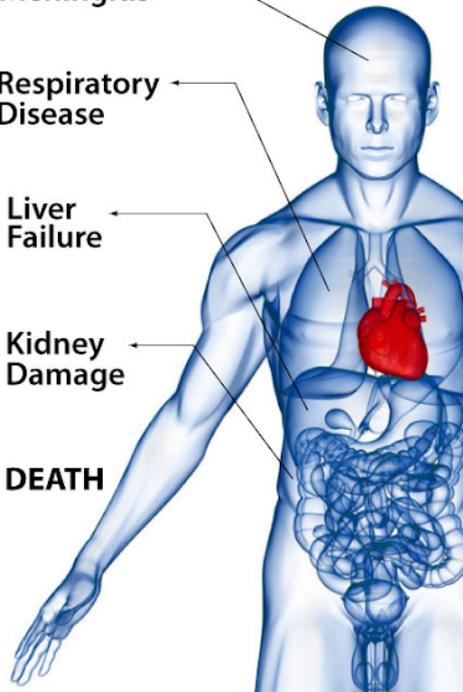
Meningitis

Respiratory Disease

Liver Failure

Kidney Damage

DEATH



What are the symptoms?

Symptoms usually occur 2 days to 4 weeks from time of exposure. Leptospirosis can cause a wide range of symptoms in humans, including:



High fever



Headache



Chills



Muscle aches



Vomiting



Jaundice
(yellow skin and eyes)



Red eyes



Abdominal Pain



Diarrhea



Rash

Note: Some infected persons may have no symptom, at all.



What if I'm infected?

If you or a loved one exhibits symptoms of leptospirosis, consult a doctor immediately.



How long is the recovery time?

The illness may last from a few days to 3 weeks or longer. When left untreated, it may take several months.

लेप्टोस्पायरोसिस से संबंधित भारत की पहल

- लेप्टोस्पायरोसिस की रोकथाम और नियंत्रण के लिये कार्यक्रम: **12वीं पंचवर्षीय योजना** के दौरान शुरू किये गए इस कार्यक्रम का उद्देश्य लेप्टोस्पायरोसिस के कारण होने वाली मौतों और बीमारियों की संख्या को कम करना है।
- वन हेल्थ दृष्टिकोण:** यह रणनीति लेप्टोस्पायरोसिस को नियंत्रित करने के लिये मानव, पशु और पर्यावरणीय स्वास्थ्य को एकीकृत करती है। **वन हेल्थ दृष्टिकोण** रोग के प्रबंधन और रोकथाम के लिये एक समग्र दृष्टिकोण के महत्त्व पर जोर देता है।

मानसून के दौरान सामान्य संक्रमण

- भारत में मानसून का मौसम **डेंगू, मलेरिया, हैजा, टाइफाइड, फ्लू और जलभराव के कारण फंगल संक्रमण** जैसे संक्रमणों में वृद्धि लाता है, जसिमें **नरिजलीकरण और मच्छर जनित बीमारियों** का खतरा भी बढ़ जाता है।

UPSC सविलि सेवा परीक्षा, वगित वर्षों के प्रश्न (PYQs)

??????:

प्रश्न. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये: (2017)

- उष्णकटिबंधीय क्षेत्रों में ज़िका वायरस रोग उसी मच्छर द्वारा फैलता है जो डेंगू का प्रसार करता है।
- ज़िका वायरस रोग यौन संचरण द्वारा संभव है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

- केवल 1
- केवल 2
- 1 और 2 दोनों
- न तो 1 और न ही 2

उत्तर: (c)